सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, गुरुवार, 23 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 281, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड फ्रिज और गैस सिलिंडर के कॉबिनेशन से धमाका... » Pg02

» Pg11

फैसलाः यूपी फायर सर्विस में जल्द बनेगी स्पेशलाइज्ड यूनिट

दिल्लीः मुठभेड़ में बिहार के चार नामी बदमाशों की मौत

सिग्मा एंड कंपनी के आतंक का अंत

चुनावों में बड़ी वारदात को देना था अंजाम, बिहार से नेपाल तक रंजन पाठक गैंग का बढ़ा था खौफ

» सुपारी लेकर हत्या करता था बिहार के सीतामढ़ी का गैंग।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। दिल्ली में हुए एक भीषण मुठभेड़ में बिहार के चार नामी बदमाश ढेर कर दिए गए। दिल्ली क्राइम ब्रांच और बिहार पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में गुरुवार तड़के करीब 2.20 बजे दिल्ली के बहादुर शाह मार्ग पर ताबड़तोड़ फायरिंग में बिहार के सीतमढ़ी का कुख्यात 25 हजारी बदमाश रंजन पाठक और उसके साथी मारे गए। बिहार और नेपाल में बड़े आपराधिक वारदातों को अंजाम देने वाले बदमाशों को मौत दिल्ली खींच लाई थी। बताया जा रहा है कि करीब एक सप्ताह से ये सभी राजधानी में छिपे हुए थे।

25 साल की उम्र में ही रंजन पाठक बेहद कुख्यात बदमाश थी। बिहार से नेपाल तक वह वारदातों को अंजाम देता था। हत्या, लूटपाट, फिरौती जैसी वारदातों से रंजन खौफ कायम कर चुका था। एनकाउंटर में रंजन के अलावा बिमलेश महतो (25), मनीष पाठक (33) और अमन ठाकुर (21) मारे गए। अमन ठाकुर दिल्ली के करावल नगर का रहने वाला था, जबकि अन्य सभी बिहार के सीतामढ़ी जिले के रहने वाले थे।

बताया जा रहा है कि एक सप्ताह से दिल्ली में रह रहे बदमाश बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले बड़े आपराधिक वारदात की साजिश रच रहे थे। बिहार के डीजीपी विनय कुमार ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि यह गिरोह वारदातों को अंजाम देने के बाद नेपाल

या दिल्ली भाग जाता था। कुछ दिनों बाद दोबारा आकर वारदात को अंजाम देते थे। लगभग हर महीने किसी वारदात को अंजाम देने थे। सुपारी लेकर ये हत्या करते थे। गिरोह का नाम सिग्मा एंड कंपनी रखा गया था।

डीजीपी ने बताया कि बिहार में चुनाव को देखते हुए इन बदमाशों की जानकारी जुटाई जा रही थी। इन दिनों बदमाशों के दिल्ली आने की सूचना मिली तो बिहार पुलिस की टीम राजधानी में कैंप कर रही थी। दिल्ली पुलिस के सहयोग से इन्हें इंटरसेप्ट किया गया और फिर मुठभेड़ में चार अपराधी मारे गए।

अमन दिल्ली का निवासी थी और वह गिरोह के सदस्यों को छिपाने में मदद करता था। डीजीपी ने बताया कि अपराधी सीतामढ़ी जिले में अव्यवस्था फैलाना चाहते थे। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि ये बिहार में चुनाव के दौरान वारदात को अंजाम नहीं देते। अपराधी बिहार से बाहर जाकर वारदात की प्लानिंग करते थे और फिर वापस आकर अंजाम देते थे।

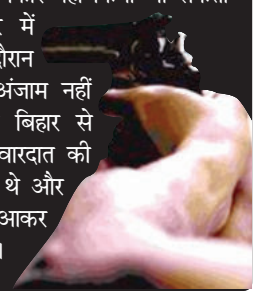

गणेश शर्मा की बेरहमी से हत्या

यह ऑपरेशन दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने मिलकर अंजाम दिया। रंजन पाठक का नाम सितंबर 2025 में तब सुर्खियों में आया जब ब्रह्मर्षि सेना के पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश शर्मा की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी. इस घटना के बाद से सीतामढ़ी में दहशत का माहौल बन गया था।

सोशल मीडिया पर पर्चा पोस्ट

गणेश की हत्या के कुछ दिन बाद रंजन ने पत्रकारों को कॉल किया और सोशल मीडिया पर एक पर्चा पोस्ट किया। उसमें उसने खुद को भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ लड़ने वाला बताया और हत्या के पीछे आठ कारण गिनाए। उसने दावा किया कि उसकी लड़ाई न जाति से है, न धर्म से, बल्कि सिस्टम की नाइंसाफी से है। यह पर्चा वायरल हुआ और इलाके में सनसनी फैल गई।

महागठबंधन का ऐलान

वीआईपी प्रमुख बोले- जब तक तोड़ेंगे नहीं, छोड़ेंगे नहीं

तेजस्वी बने मुख्यमंत्री का फेस, सहनी बिहार के डिप्टी सीएम!

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

पटना। बिहार चुनाव को लेकर महागठबंधन ने गुरुवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद के चेहरों का एलान कर दिया। महागठबंधन ने स्पष्ट कहा कि पूरा गठबंधन एकजुट है। बिहार में बदलाव लाने के लिए तैयार है। महागठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा तेजस्वी यादव होंगे। वहीं मुकेश सहनी को महागठबंधन ने उपमुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि, सरकार बनने पर अन्य वर्गों से भी उपमुख्यमंत्री बनाएं जाएंगे। सभी दलों ने एक स्वर में कहा कि भारी बहुमत से हमलोग सरकार बनाने जा रहे हैं। वहीं वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि हमलोग पिछले साढ़े तीन साल से इस समय का इंतजार कर रहे थे। हम लोगों ने प्रण लिया था कि जब तक भाजपा को तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं। आज वह समय आ चुका है। चुनाव के बाद बिहार की जनता भाजपा को खदेड़ देगी। महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

वहीं राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में एनडीए को अच्छी टक्कर दी। पिछले चुनाव में महागठबंधन मामूली वोटों के अंतर से पीछे रह गए। एनडीए संवैधानिक संस्थाओं को दुरुपयोग कर खेला करना चाहताा है। यह लोग चुनाव जीतने के लिए कुछ भी करने के

लिए तैयार हैं। इस चुनाव में अगले मुख्यमंत्री के रूप में हमलोग तेजस्वी यादव को चुनते हैं। वह नौजवान हैं। जो कहते हैं करते हैं। अब तक जो वादे किए, उसमें खड़े उतरे। इसलिए महागठबंधन ने फैसला लिया है कि हमलोगों का मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव ही होंगे। वहीं अशोक गहलोत ने कहा कि मुकेश सहनी की पार्टी महागठबंधन के प्रमुख दलों में से एक हैं। उनकी छवि को देखते हुए महागठबंधन उन्हें डिप्टी सीएम का फेस घोषित करता है।

फ्रिज और गैस सिलिंडर के कॉम्बिनेशन से धमाका, बाल-बाल बचे घरवाले

» सागर मार्केट कैनाल रोड पर हुआ तेज धमाका, मकान की पहली मंजिल में मचा हडक़ंप

» फॉरेंसिक जांच में खुलासा एलपीजी और फ्रीआन गैस की रासायनिक प्रतिक्रिया से हुआ विस्फोट

मौके पर जांच करती पुलिस

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया कानपुर। सागर मार्केट कैनाल रोड स्थित आकाश जायसवाल और सनी जायसवाल के मकान में बुधवार शाम अचानक जोरदार धमाका हो गया। यह धमाका मकान की पहली मंजिल पर हुआ, जिससे आसपास के लोग दहशत में आ गए। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ।

सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की बारीकी से जांच की।

प्रारंभिक जांच में पता चला कि धमाका किसी बाहरी कारण से नहीं, बल्कि घरेलू गैसों के रासायनिक संगम से हुआ। फॉरेंसिक टीम के अनुसार एलपीजी गैस के रिसाव से उत्पन्न प्रोपेन और ब्युटेन गैस जब फ्रिज की कूलिंग गैस फ्रीआन के संपर्क में आई, तो उससे क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैस का निर्माण हुआ। इन चारों गैसों के संयुक्त प्रभाव से अत्यधिक दबाव बना और विस्फोट हो गया।

घटना के बाद पुलिस ने क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच पूरी की। विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि गैस सिलिंडर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को हमेशा उचित दूरी पर रखें और गैस रिसाव की स्थिति में बिजली के उपकरणों का उपयोग न करें।

सुन्दरीकरण

कानपुर के विकास को नई रफ्तार

सांसद रमेश अवस्थी के 80 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को हरी झंडी

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने दी मंजूरी, सड़क चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण से बदलेगा शहर का चेहरा

» कानपुर को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक शहर बनाना मेरा संकल्प- सांसद रमेश अवस्थी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महानगर कानपुर के विकास को नई दिशा और रफ्तार देने वाली बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश सरकार ने कानपुर सांसद रमेश अवस्थी द्वारा प्रस्तावित 80 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल शहर की यातायात व्यवस्था और आधारभूत संरचना में सुधार होगा, बल्कि कानपुर का शहरी सौंदर्य भी नए रूप में निखरेगा।

लोक निर्माण विभाग के माध्यम से तैयार किए गए इन प्रस्तावों में महत्वपूर्ण मार्गों का चौड़ीकरण, चौराहों का सौंदर्यीकरण और संपर्क मार्गों का निर्माण शामिल है। सरकार की मंजूरी के बाद अब इन परियोजनाओं के लिए वित्तीय स्वीकृति और टेंडर प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी।

इन परियोजनाओं के पूरा होने से शहर के

प्रमुख मार्गों पर जाम की समस्या में कमी, बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन और शहरी स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन के बाद कानपुर की सड़कों और संपर्क मार्गों का मानक मेट्रो शहरों जैसा हो जाएगा।

कानपुर लंबे समय से जाम, बदहाल सड़कों और अव्यवस्थित यातायात की समस्या से जूझ रहा है। रमेश अवस्थी के प्रयासों से मंजूर हुई ये परियोजनाएं शहर को स्मार्ट सिटी की दिशा में वास्तविक कदम साबित हो सकती हैं — बशर्ते कार्यों की गुणवत्ता और समयसीमा पर सख्ती से अमल हो।

कानपुर को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक शहर बनाना मेरा संकल्प- सांसद अवस्थी

मंजूरी मिलने पर सांसद रमेश अवस्थी ने कहा, यह स्वीकृति कानपुर के चौमुखी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मेरा लक्ष्य है कि कानपुर को स्वच्छ, सुंदर, आधुनिक और सुगम यातायात वाला शहर बनाया जाए। नागरिकों की सुविधा और शहर के समग्र विकास के लिए मेरा प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

सांसद अवस्थी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और लोक निर्माण विभाग के प्रति आभार जताते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह निर्णय कानपुर के भविष्य को सशक्त और सुव्यवस्थित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

ये होंगी प्रमुख विकास परियोजनाएं

1. विजयनगर से पनकी पड़ाव मार्ग का चौड़ीकरण – 35 करोड़
2. किदवई नगर बारादेवी से नंदलाल चौराहा मार्ग का चौड़ीकरण – 20 करोड़
3. चावला मार्केट से परम पुरवा होते हुए जूही खलवा मार्ग का चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण – ?10 करोड़
4. घंटाघर से डिप्टी पड़ाव मार्ग का चौड़ीकरण – 6 करोड़
5. कानपुर नगर के विभिन्न चौराहों का सौंदर्यीकरण – 3 करोड़
6. श्याम नगर 56 भोग चौराहा से हाईवे तक संपर्क मार्ग का चौड़ीकरण – 5 करोड़

ग्राम पंचायत सुरार में लेखपाल की सांठगांठ से सरकारी ज़मीन हड़पी!

» फर्जी रिपोर्ट से भू-माफियाओं को कब्ज़ा दिलाने वाला लेखपाल अनिल कुमार अब भी बचा हुआ है सज़ा से

» स्वराज इंडिया की पड़ताल के बाद माफियाओं में हड़कंप, रातों-रात गिराई गई अवैध बाउंड्री वॉल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया कानपुर।

कानपुर की सदर तहसील के ग्राम सुरार में सरकारी ऊसर भूमि पर कब्ज़े का मामला अब भ्रष्ट राजस्व तंत्र की कलई खोल रहा है। यहां लेखपाल अनिल कुमार की मिलीभगत से करोड़ों की सरकारी ज़मीन भू-माफियाओं के कब्ज़े में चली गई – और चौंकाने वाली बात यह कि जिलाधिकारी के स्पष्ट आदेशों के बावजूद, आज तक उसके खिलाफ न तो मुकदमा दर्ज हुआ और न ही कोई विभागीय कार्रवाई।

FOLLOW UP

ग्राम प्रधान की तहरीर के मुताबिक, लेखपाल अनिल कुमार ने माफिया वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव से मोटी रकम लेकर आराजी संख्या 607, 608, 610, और 613 की फर्जी रिपोर्ट तैयार की। रिपोर्ट में सरकारी भूमि को निजी खरीदी गई भूमि बताकर माफियाओं को कब्ज़ा दिलवा दिया गया। यही नहीं, जब प्रशासन ने बुलडोज़र चलाने की तैयारी की, तो अनिल कुमार ने रिकॉर्ड में हेराफेरी कर तीन आराजियों को कब्ज़ा मुक्त दिखा दिया — जबकि जमीनी सच्चाई इसके उलट थी।

स्वराज इंडिया का सवाल है कि जब पूरे प्रकरण के दस्तावेज़, गवाह और आदेश स्पष्ट हैं — तो आखिर लेखपाल अनिल कुमार के खिलाफ अब तक कार्रवाई क्यों नहीं? क्या कानून सिर्फ गरीबों के लिए है और भ्रष्ट अधिकारियों के लिए ढाल?

सदर तहसील के ग्राम सुरार में भ्रष्टाचार का खुला खेल, प्रशासन मौन!

मौजूदा वक्त में सरकारी जमीन के पास नया चल रहा है निर्माण कार्य

खबरों के दबाव से माफियाओं ने खुद गिरवाई बाउंड्री वॉल

स्वराज इंडिया की लगातार रिपोर्टिंग के बाद भू-माफियाओं में मचा हड़कंप। रात के अंधेरे में मजदूर लगाकर अवैध बाउंड्री वॉल गिराई जाने लगी। गांव वालों का कहना है, 卐अखबार में खबर छपते ही माफियाओं को मुकदमे का डर सताने लगा है। प्रशासन अब जागे या न जागे, माफिया खुद अपनी दीवारें तोड़ रहे हैं।

फिर भी सवाल जस का तस है — क्या सिर्फ माफियाओं को डराना ही प्रशासन का काम है, या असली गुनहगार लेखपाल अनिल कुमार भी कभी सज़ा पाएगा?

फर्जी रिपोर्ट से करोड़ों की सरकारी ज़मीन हड़पी गई

तहसील रिकॉर्ड साफ़ बताते हैं — आराजी संख्या 607, 608, 610, और 613 सभी राजकीय ऊसर भूमि हैं। फिर भी इन पर बाउंड्री वॉल, प्लॉटिंग, बन गई। सबकुछ राजस्व कर्मियों की मिलीभगत से हुआ, और प्रशासन खामोश तमाशबीन बना रहा।

सूत्र बताते हैं कि अनिल कुमार ने माफियाओं से लाखों रुपए की रिश्वत ली, जिसकी चर्चा अब राजस्व दफ्तरों के गलियारों में खुलेआम हो रही है। ग्राम प्रधान की शिकायत भी दबाव और सौदेबाजी की भेंट चढ़ गई।

क्या सुरार ग्राम पंचायत दूसरा आलोक दुबे कांड बनने जा रहा है?

सवाल अब बड़ा है — क्या कानपुर प्रशासन राजस्व विभाग के भीतर पल रहे इस भ्रष्ट गिरोह पर गाज गिराने की हिम्मत दिखाएगा, या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा?स्वराज इंडिया की यह पड़ताल सिर्फ एक गांव की कहानी नहीं, बल्कि उस सिस्टम की सड़ांध का आईना है जिसमें भ्रष्ट लेखपाल, दबंग माफिया और मौन प्रशासन ने मिलकर सरकारी ज़मीन को अपनी जायदाद बना लिया है।

पटाखों से 10 गुना बढ़ा प्रदूषण, दमा व हार्ट अटैक के मरीज बढ़े

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया कानपुर।

कानपुर। शहर में दीपावली की रात पटाखों के धुएं से एक्यूआई 10 गुना बढ़कर 525 पहुंच गया, जिससे हृदय, अस्थमा और दमा के रोगियों की हालत बिगड़ गई। प्रदूषण के कारण कार्डियोलॉजी में हृदय रोगियों की भर्ती भी हुई।कानपुर में दिवाली पर पटाखों के धुएं से शहर में प्रदूषण 10 गुना बढ़ गया। सोमवार रात तीन बजे एयर क्वालिटी इंडेक्शन (एक्यूआई) 525 दर्ज किया गया जो सामान्य प्रदूषण से 10 गुना से भी अधिक है। प्रदूषण बढ़ने से लोगों की सांस फूल गई। हृदय, अस्थमा, दमा के रोगियों पर प्रदूषण का यह स्तर भारी पड़ गया।

कार्डियोलॉजी में हार्ट के दाएं हिस्से के फेल होने के रोगी भर्ती किए गए।

आम लोगों को भी गले में खराबी, सीने में जकड़न दिक्कत हो गई। टूटी सड़कों से उड़ते धूल कण, कचरा जलाने, वाहनों के धुएं की वजह से शहर में आमतौर पर प्रदूषण का स्तर सामान्य एक्यूआई 50 से तीन गुना अधिक रहता है।

दीपावली में पटाखों के धुंए से प्रदूषण 10 गुना से भी अधिक हो गया। हल्के बादल छाए रहने की वजह से वायु मंडल पर हल्की चादर तन गई, जिससे धुआं और धूल ऊपर नहीं जा पाई। प्रदूषण खतरे के निशान के ऊपर खतरनाक श्रेणी में चला गया। हालांकि दिवाली के अगले दिन एक्यूआई नीचे आना शुरू हुआ। मंगलवार को 310 और गोवर्धन पूजा के दिन बुधवार को एक्यूआई 158 रहा।प्रदूषण बढ़ने की वजह से हृदय, डायबिटीज, अस्थमा और दमा के रोगियों की हालत बिगड़ गई। अस्पतालों में रोगी सांस फुलाते हुए पहुंचे। प्रदूषित हवा के कारण गर्भवती महिलाओं को भी सांस फूलने की दिक्कत हुई। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य सीनियर चेस्ट फिजीशियन डॉ. एसके कटियार का कहना है कि प्रदूषण बढ़ने से दमा, अस्थमा और सांस रोग ट्रिगर हो जाते हैं।

बहन को बचाते-बचाते गंगा की लहरों में समा गया बीटेक छात्र

देर से पहुंची पुलिस के खिलाफ ग्रामीणों ने की नारेबाजी

»बुधवार को खेरेश्वर सरैया घाट पर हुआ हादसा

»गोताखोरों की टीम ने की देर शाम तक तलाश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

शिवराजपुर/बिल्हौर (कानपुर)। गंगा किनारे बुधवार की सुबह श्रद्धा भरा स्नान एक परिवार के लिए मातम में बदल गया। बहन को डूबने से बचाने की कोशिश में मथुरा में बीटेक की पढ़ाई कर रहा 20 वर्षीय हर्ष गंगा की तेज धारा में समा गया। देर शाम तक गोताखोरों और स्थानीय नाविकों ने उसे खोजने की हरसंभव कोशिश की, मगर सफलता नहीं मिली। अंधेरा बढ़ने पर सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया, जो गुरुवार सुबह फिर शुरू किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, बिल्हौर के बक्खूपुरवा गांव निवासी सेवानिवृत्त बैंककर्मी किशनलाल पाल अपनी पत्नी लक्ष्मी, बेटी श्रेय (16) और पुत्र हर्ष (20) के साथ खेरेश्वर सरैया घाट पहुंचे थे। परिवार गंगा स्नान में व्यस्त था कि तभी श्रेया अचानक फिसलकर गहराई में चली गई। बहन को डूबता देख हर्ष बिना देर किए पानी में कूद गया और किसी तरह उसे बाहर निकाल लिया, लेकिन खुद तेज बहाव में फंसकर लापता हो गया।

परिजनों की चीख-पुकार सुनकर मौके पर मौजूद लोग दौड़े और गोताखोरों को बुलाया गया। एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित, एसीपी अमरनाथ यादव और नायब तहसीलदार रंजीत यादव ने भी मौके पर पहुंचकर राहत कार्य का जायज़ा लिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सूचना देने के करीब दो घंटे बाद पुलिस पहुंची, जिससे नाराजगी का माहौल भी देखने को मिला। वहाँ मौजूद ग्रामीणों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की। परिवार के मुताबिक, हर्ष पढ़ाई में होनहार था और मथुरा में बीटेक की पढ़ाई कर रहा था। गंगा किनारे फैली खामोशी अब भी उस बहादुर बेटे की तलाश में है, जिसने अपनी बहन की जान तो बचा ली, मगर खुद जिंदगी की लहरों में खो गया।

भाई दूज पर बहनों को करना पड़ा लंबा इंतजार

बसों में ठसाठस भीड़, डग्गामार वाहनों की चांदी

»हाल ही में बंद हुई सीएनजी रोडवेज से और बढ़ी परेशानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। भाई दूज के शुभ अवसर पर भाइयों के घर जाने के लिए निकली बहनों को इस बार सफर में खासी मशक्कत झेलनी पड़ी। गुरुवार सुबह से ही सड़कों पर बसों और साधनों के लिए लंबी कतारें लग गईं। कानपुर, कन्नौज, हरदोई समेत आसपास के जिलों की ओर जाने वालों की भीड़ इतनी रही कि अस्थाई रोडवेज बस अड्डे से लेकर पालिका चौराहा और ककवन रोड तक अफरा-तफरी मच गई।

दीपावली और गोवर्धन पूजा के बाद भाई दूज का त्योहार भी पूरे उत्साह से मनाया गया। सुबह से ही घरों में तैयारियां जोरों पर थी। बहनें भाइयों के तिलक की थाल सजाकर रवाना हो रही थीं, लेकिन बस पकड़ने में ही कई घंटे लग गए। कई जगह महिलाओं को सड़क किनारे खड़े होकर साधन का इंतज़ार करना पड़ा। बिल्हौर बाईपास से अधिकांश बसें बिना रुके निकल गईं, जबकि जो कुछ अंदर आईं, वे यात्रियों से खचाखच भरी थीं। हाल ही में सीएनजी रोडवेज सेवा बंद होने से हालात और बिगड़ गए। जीटी रोड पर वाहनों की रेलमपेल से जाम जैसे हालात बने रहे। जहां सरकारी बसों में चढ़ने की जगह नहीं थी, वहीं डग्गामार वाहनों ने खूब मौक़ा भुनाया। ओवरलोड ऑटो, टेंपो और निजी वैन में यात्रियों को ठूंस-ठूंसकर ले जाया गया। लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर कई चालकों ने किराए भी मनमाने वसूले।

ट्रैफिक पुलिस खड़ी रही, लोग कानून की धज्जियाँ उड़ाते रहे

ककवन रोड पर ट्रैफिक पुलिस तो तैनात रही, लेकिन नियमों की धज्जियाँ खुलेआम उड़ती रहीं। बिना हेलमेट बाइकों पर तीन-तीन लोग सवार नज़र आए, तो ऑटो चालकों ने सवारियों को ठूंस-ठूंसकर भरा। ट्रैफिक पुलिसकर्मी तमाशबीन बने रहे – मानो सड़क पर अव्यवस्था से उनका कोई लेना-देना न हो। अव्यवस्थित यातायात के बीच कई बार जाम की स्थिति भी बनती रही, जिससे राहगीरों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

52 साल पुराने अवैध कब्जे से खलिहान की भूमि अतिक्रमण मुक्त

»कानून व्यवस्था का उदाहरण बनी प्रशासनिक कार्रवाई।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर क्षेत्र में प्रशासन ने बुधवार को स्पष्ट संदेश दिया कि अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी जीतेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश एवं उप जिलाधिकारी बिल्हौर डॉ संजीव दीक्षित के आदेश पर नायब तहसीलदार सीपी राजपूत के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने 52 साल से कब्जे में चल रही खलिहान की जमीन (आराजी सं. 1592, रकबा 0.5670 हे0) को अतिक्रमण मुक्त कर ग्राम प्रधान के सुपुर्द कर दिया।

लेखपाल ललित ने बताया राजस्व अभिलेखों में खलिहान के नाम दर्ज इस भूमि पर बोर्ड भी लगाया गया। कार्रवाई पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। नायब तहसीलदार ने मौके पर मौजूद डॉ. आफताब अहमद, राजेश कुमार, मैकू आदि को चेतावनी दी कि यदि इस भूमि पर पुनः कब्जा किया गया तो उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

यह कार्रवाई प्रशासन की सक्रियता और कानून व्यवस्था के प्रति सजगता का जीवंत उदाहरण बन गई है।

56वां मुड़हर दंगल: रोमांच और परंपरा का अनूठा संगम

पहलवानों के दांव-पेंच ने जीता ग्रामीणों का दिल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। दीपावली की रंगीन परेवा पर मुड़हर गाँव में 56वां ऐतिहासिक दंगल बड़े उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ। साढ़े पांच दशक से जारी इस परंपरा ने इस बार भी ग्रामीणों को रोमांच का अद्भुत अनुभव दिया। दंगल का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य कार्तिकेय शुक्ला ने किया। पहले मुकाबले में सोनू पहलवान और राजेश (औरैया) के बीच जोरदार टक्कर देखने को मिली। मुकाबला शुरुआती दौर से ही कड़ा था, लेकिन अंत में सोनू ने शानदार दांव-पेंच दिखाते हुए राजेश को परास्त किया।

दूसरी रोमांचक कुश्ती में चौबेपुर के बाल्हीपुर निवासी मनीष और उन्नाव के विपिन यादव आमने-सामने आए। इस मुकाबले का उद्घाटन भाजपा नेता राघवेंद्र अवस्थी ने किया। मनीष ने अपनी कुश्ती की तकनीक और दमखम से विपिन यादव को मात दी। दंगल देखने के लिए आसपास के गाँवों से बड़ी

संख्या में ग्रामीण जुटे। पूरे मैदान में जय बजरंगबली के जयकारों से माहौल उत्साहपूर्ण और जीवंत बना रहा। इस अवसर पर उमाशंकर मिश्रा, सुशील अवस्थी, निशांत मिश्रा, प्रशांत अवस्थी, प्रधान शिन्नी अवस्थी और मुकेश दुबे सहित कई लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

दिवाली के बाद प्रदूषण की वही कहानी

यह शर्मसार करने वाली बात है कि दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में हो रही है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना

पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। दिल्ली में एक्यूआई का स्तर पौने चार सौ के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाना कई इंजनों वाली सरकारों और समाज की सामूहिक विफलता को ही दर्शाता है।

बताते हैं कि दिल्ली की आबोहवा पिछले पांच सालों के सबसे खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। मजबूरी की स्थिति में दिल्ली सरकार को ग्रैप-2 की सख्त नीतियां लागू करनी पड़ी हैं। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है।

बहरहाल, कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते,

यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि बच्चों और बुजुर्गों पर इस संकट का कितना नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा होगा। देश में लाखों लोग श्वास संबंधी रोगों के कारण जीवन गंवा रहे हैं। सवाल यह है कि इस संकट को दूर करने के लिए, जो ग्रैप-2 सिस्टम लागू किया जाता है, क्या उसे इस संकट के हर साल आने की स्थिति को देखते हुए पहले से नहीं लागू किया जा सकता धूल को उड़ने से रोकने और हवा में प्रदूषण कम करने के लिए पानी का छिड़काव क्या शेष महीनों में नहीं किया जाता? अब ट्रैफिक को नियंत्रित करने की बात की जा रही है

ताकि सिग्नल पर गाड़ियां ज्यादा देर खड़ी न हों, जिससे प्रदूषण अधिक नहीं हो।

बढ़ते जोखिमों के बीच विकास दर अनुमान में बढ़ोतरी

ज्योति मल्होत्रा

अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने भी भारत को लेकर अपने अनुमान को 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। लिहाजा, 2025 में भारत सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि, अमेरिका, यूरोपियन देशों और उभरते बाजारों की. अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने भी भारत को लेकर अपने अनुमान को 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। लिहाजा, 2025 में भारत सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि, अमेरिका, यूरोपियन देशों और उभरते बाजारों की वृद्धि भी, विभिन्न कारणों से, तेज़ होने की उम्मीद है।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने हाल ही में भारत के अपने सकल घरेलू उत्पाद विकास दर अनुमान को 30 आधार अंकों की वृद्धि देते हुए, चालू वित्त वर्ष के लिए 6.8 प्रतिशत बताया है। इसके बाद, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष ने भी भारत को लेकर अपने अनुमान को 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। लिहाजा, 2025 में भारत सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि, अमेरिका, यूरोपियन देशों और उभरते बाजारों की वृद्धि भी, विभिन्न कारणों से, तेज़ होने की उम्मीद है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उच्च टैरिफ और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं लगातार बने रहने के बावजूद वैश्विक आर्थिक गतिविधियां लचीलापन लिए हैं।अमेरिकी अर्थव्यवस्था कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और उससे जुड़ी तकनीकों और बुनियादी ढांचा विकास, खासकर डेटा केंद्रों में निवेश से चालित है। इससे घरेलू स्तर पर और यूरोप एवं एशिया में भी, डेटा केंद्रों के निर्माण और अन्य आवश्यक इनपुट की मांग बढ़ी है। एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार, 2025 में अमेरिका की अनुमानित 1.9 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा ऐसे निवेशों से आएगा। हालांकि कुछ लोग कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षेत्र में निवेश को जोखिम भरा मानते हैं।उभरते बाजारों और एशिया में, विकास दो अलग-अलग चरण में होने की उम्मीद है। वर्ष की पहली छमाही में अमेरिका को निर्यात में तेज़ी आने से लाभ हुआ, जिससे दूसरी छमाही में लागू होने वाली उच्च टैरिफ के असर से बचा जा सका। हो सकता है टैरिफ में और बढ़ोतरी से यह प्रवृत्ति वर्ष के उत्तरार्ध में जारी न रहे। एशिया में सबसे ज़्यादा अमेरिकी टैरिफ का सामना भारत को करना पड़ा रहा है। हालांकि फार्मास्यूटिकल्स और स्मार्टफोन जैसे क्षेत्र को, जो अमेरिका को होने वाले भारत के कुल निर्यात का एक-चौथाई हिस्सा हैं, टैरिफ से छूट दे रखी है, लेकिन व्यापार समझौते के अभाव में वर्ष की दूसरी छमाही में टैरिफ में और वृद्धि होने की उम्मीद है। इस सबके बावजूद, भारत की विकास दर के पूर्वानुमान को बढ़ा दिया गया है। ऐसा क्यों? चालू वित्त वर्ष की शुरुआत मज़बूत रही और पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 प्रतिशत हो गई, जो उम्मीदों से ज़्यादा रही। इसके पीछे की वजह निजी खपत में बढ़ोतरी, सरकारी पूंजीगत व्यय और सेवा क्षेत्र में हुई वृद्धि रही और इसने पूर्वानुमानों में बढ़ोतरी की। देश के नियंत्रण से बाहर, लेकिन महत्वपूर्ण आर्थिक निहितार्थ वाले कारक काफी हद तक अनुकूल रहे हैं, जिससे विकास को बढ़ावा मिलता है।कैलेंडर वर्ष 2024 और 2025 में मानसून की बारिश सामान्य से अधिक और लंबी चली, और देश में अखिल भारतीय वर्षा स्तर के औसत से 8 प्रतिशत अधिक बारिश हुई।

हालांकि, वर्षा वितरण विकृत रहा और अत्यधिक वर्षा भुगतने वाले इलाकों की संख्या 2025 में दोगुनी हो गई। जहां पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और तेलंगाना में फसल को भारी नुकसान हुआ है वहीं अन्य क्षेत्रों में खेती के अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, चावल और गेहूं का आपातकालीन भंडार, अनाज भंडारण मानकों से ऊपर बना हुआ है। सर्दियों की फसलों, जिन्हें ज्यादातर सिंचाई की जरूरत पड़ती हैं, को बेहतर हुए भूजल और जलाशय स्तर से लाभ मिलने की उम्मीद है। भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को बाहरी स्वस्थ संकेतकों और मज़बूत बैलेंस शीट का साथ मिला हुआ है।

भव्यता-दिव्यता के बीच बने समता का समाज

रोशनी का पर्व है,

ज्वाला सिंह दास

आर्थिक और सामाजिक विषमता ने मिलकर हमारी उपलब्धियों को कमतर बना दिया है। पिछले तीन-चार दशकों में देश ने कई मोर्चों पर विजय के झंडे फहराए हैं, पर यह विडंबना है कि एक ओर हमारी प्रगति ने नए प्रतिमान बनाए. आर्थिक और सामाजिक विषमता ने मिलकर मारी उपलब्धियों को कमतर बना दिया है। पिछले तीन-चार दशकों में देश ने कई मोर्चों पर विजय के झंडे फहराए हैं, पर यह विडंबना है कि एक ओर हमारी प्रगति ने नए प्रतिमान बनाए हैं, वहीं दूसरी ओर विषमता कीखाइयां और चौड़ी हुई हैं।

इस दीपावली पर हमने एक और कीर्तिमान बनाया—दीये जलाने का कीर्तिमान। दीपावली भगवान राम के चौदह साल के वनवास के बाद अयोध्या लौटने का पर्व है। जब राम अयोध्या लौटे तो अयोध्यावासियों ने घी के दीये जलाकर खुशियां मनाई थीं। यह अन्याय पर न्याय और अंधेरे पर उजाले की जीत की खुशी थी। आज भी जब हम दिवाली की अमावस्या की रात को दीये जलाते हैं, तो इसी जीत को याद करते हैं और संकल्प करते हैं कि अंधेरे के खिलाफ यह लड़ाई जारी रहेगी। जीवन के हर अंधेरे को मिटाने का संकल्प हम दोहराते हैं। घर की देहरी पर दीया जलाना इसी संकल्प का प्रतीक है। पर यह बात भी याद रखनी होगी —दीया जलाने के संकल्प के साथ ही उसे जलाए रखने का संकल्प भी लेना होता है। जलाए रखना अर्थात तूफानी हवाओं की चुनौती को स्वीकार करना। किसी शायर ने लिखा है—'ख़ज़ां की रुत में गुलाब लहजा बनाकर रखना कमाल ये है/ हवा की ज़द में दीया जलाना, जलाकर रखना कमाल ये है।'

दीया जलाना निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, पर विरोधी हवाओं की चुनौती को स्वीकारना और दीया जलाए रखना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। शायर ने इस चुनौती को स्वीकार करने को ही 'कमाल' कहा है। आज हम लाखों दीये जलाकर कमाल करने का दावा कर रहे हैं। साल-दर-साल अधिकाधिक दीये जलाने के कीर्तिमान स्थापित करके 'गिनीज़ बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स' में अपनी 'सफलता' का विवरण दर्ज कराके हम खुश हो सकते हैं, लेकिन याद रखने की बात यह है कि ऐसे कीर्तिमानों से अंधेरे दूर नहीं होते। कमाल तब होता है जब

कोई एक अकेला दीपक सारे अंधेरे के अस्तित्व को चुनौती देता है। सवाल सिर्फ अंधेरे का ही नहीं, विरोधी हवाओं का भी है। इस संदर्भ में विश्वकवि रवींद्रनाथ ठाकुर की बड़े अर्थ वाली एक छोटी-सी कविता याद आती है। कविता का भाव कुछ इस प्रकार है—अमावस्या की काली रात जब घिरने लगी तो सूरज कुछ उदास था। जब सूरज से इस उदासी का कारण पूछा गया, तो उसने बताया—'मेरे अस्त होने के बाद छाए अंधेरे को कौन मिटाएगा?'एक छोटे से दीये ने सारी दुनिया को प्रकाशित करने वाले सूरज से कहा, 'आप चिंता मत करें, जब तक मैं हूं, अंधेरे के खिलाफ यह लड़ाई अपनी पूरी ताकत से जारी रखूंगा।' कवि ने लिखा है—यह सुनकर सूरज को चैन आ गया। उसे विश्वास हो गया कि काली रात का यह अंधेरा उजाले को नहीं हरा पाएगा। अंधेरा लाखों दीयों से नहीं, एक दीये की ज़िद से हारता है। ईमानदारी से व्यक्त किया गया एक दीये का विश्वास भले ही सब तरफ उजाला न करे, पर कोई एक किरण भी सवेरा होने का विश्वास जगाने के लिए पर्याप्त होती है। दिवाली हर साल हमें यही अहसास कराने आती है। हम लाखों दीये जलाकर अंधेरे को हराने का मिथ्याभिमान जीने लगे हैं। यह समझना ही नहीं चाहते कि दस कमरों के मकान में रहने वाला व्यक्ति रहता तो एक ही कमरे में है, बाकी कमरों में तो उसका घमंड ही रहता है! राम की कथा हमें यही समझाती है कि अपनी ताकत का घमंड हमें उस रावण की श्रेणी में लाकर खड़ा कर देता है, जो अन्याय और अत्याचार का प्रतीक है। मनुष्यता की लड़ाई रावण से नहीं, रावण की राक्षसी प्रवृत्ति से है।कई-कई रूप हैं इस राक्षसी प्रवृत्ति के—अन्याय, अत्याचार और विवेकहीनता से पलती है यह प्रवृत्ति। जीवन का असली अंधेरा यही प्रवृत्ति है। आदमी को अपनी मानवता बचाए रखने के लिए इसी अंधेरे को हराना होता है। प्रकाश चाहे सारे जग को आलोकित करने वाले सूरज का हो या छोटे से दीये का—संदेश एक ही देता है, मनुष्यता का संदेश। राम इसी मनुष्यता की जीत के प्रतीक हैं। राम ने कथनी से नहीं, करनी से मनुष्यता की यह लड़ाई जीती थी। निषाद को गले लगाने वाले राम ने समता का संदेश दिया। भीलनी के झूठे बेर खाकर, वानर और राक्षस जाति के आदिवासियों को अपनी विजय का माध्यम बनाकर, मर्यादा पुरुषोत्तम ने यह स्पष्ट कर दिया था कि आदर्श समाज-व्यवस्था में ऊंच-नीच के लिए कोई जगह नहीं हो सकती। अपने घर की दीवारें हमें खुद उठानी हैं, छत स्वयं डालनी है। अपने घर के परिष्कार का बोझ भी घर-परिवार में रहने वालों का होता है।

लाखों दीयों से घर को सजाने से कहीं बेहतर है एक दीये से आंगन में उजाले का बीज बोना। लाखों दीये जलें, इसमें कोई बुराई नहीं, पर सरयू के तट पर इतने दीये जलाने के बजाय लाखों वंचितों और दलितों के घरों में रोशनी करना क्या यह ज्यादा ज़रूरी नहीं है? उन बच्चों की सुध कौन लेगा जो हज़ारों अधजले दीयों के बचे तेल को इकट्ठा करने निकल पड़ते हैं? उनकी इस विवशता को कौन समझेगा? यह भी याद रखना होगा कि भगवान राम ने वनवासियों को अपना सहयोगी बनाया था, पर हम उन्हें अपने निकट तक आने देना ही नहीं चाहते। सामाजिक विषमता का यह एक उदाहरण है, पर यह अकेला उदाहरण नहीं। आर्थिक और सामाजिक विषमता ने मिलकर हमारी उपलब्धियों को कमतर बना दिया है।

ब्रह्मानंद पीजी कॉलेज में नियुक्तियों में भ्रष्टाचार के आरोपों की होगी जांच

» पूर्व अस्थायी कर्मचारी के आरोप पर भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी ने भी सीएम से की थी जांच की मांग

» मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने दिए जांच के आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। महाविद्यालय नियुक्तियों के नाम पर करोड़ों के भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के आदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए हैं।कॉलेज के पूर्व अस्थायी कर्मचारी शशांक शुक्ला ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर प्राचार्य पर लाखों रुपये की रिश्वत लेने का गंभीर आरोप लगाया था। मामले में भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुदीप सक्सेना ने भी मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जांच की मांग की थी।

इस पर प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) संजय प्रसाद ने प्रमुख सचिव (उच्च शिक्षा) को मामले की जांच कर कार्रवाई करने के आदेश दिए हैं।

शिकायतकर्ता शशांक ने मुख्यमंत्री कोभेजे

शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विवेक द्विवेदी ने उनसे स्थायी नौकरी देने के नाम पर रिश्वत की मांग की थी।

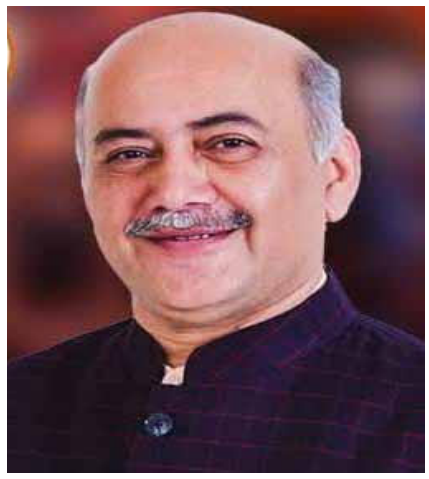

प्रो. विवेक द्विवेदी (प्राचार्य)
बीएनडी कॉलेज मॉल रोड।

रिश्वत देने से इन्कार पर उन्हें सेवा से हटा दिया गया।उनकी जगह अन्य व्यक्तियों को नियुक्ति की गई। उन्होंने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि जब ये नियुक्तियां की गई,उस समय कॉलेज प्रबंध समिति का अनुमोदन समाप्त हो चुका था।

इसके बावजूद नियमों की अनदेखी करते हुए नियुक्तियां जारी रहीं। पत्र में आरोप लगाया कि कॉलेज में 15 में 32 लाख रुपये तक लेकर नियुक्तियां की जा रही हैं। प्राचार्य के परिजन व करीबी लोग ही इन पदों पर नियुक्त किए गए है।

शशांक ने प्राचार्य की कथित बातचीत की ऑडियो रिकार्डिंग भी प्रस्तुत की जिसमें नियुक्तियों के रेट और कथित लेने देन का उल्लेख बताया गया है।रिकॉर्डिंग में कानपुर से लेकर प्रयागराज तक के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों व अन्य के नाम भी संदर्भित किए गए हैं। उन्होंने न्याय न मिलने पर इच्छामृत्यु की अनुमति तक मांगी थी।शशांक के पत्र के समर्थन में सुदीप सक्सेना ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था।इसमें शशांक और उनके परिजनों को पार्टी से जुड़ा बताते हुए कॉलेज में हुए भ्रष्टाचार की जांच कराने का अनुरोध किया था। बदनाम करने के लिए इस तरह के आरोप लगाएं जा रहे हैं। ये पत्र भी फर्जी बताया गया है, मै किसी भी जांच के लिए तैयार हूं।

भाजपाई गांव की सडक़ पर बड़े-बड़े गड्ढे, धूल का उठता गुबार

» तीन दशक बाद भी अधूरी सडक़, कमल रानी की सौगात पर खामोश है सरकार

» हतेही गांव में टूटी उम्मीदें टेंडर पास होने के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर तहसील के गांव हतेही में विकास के वादे आज भी कागज़ों से आगे नहीं बढ़ सके हैं। वर्ष 1991 में तत्कालीन सांसद कमल रानी वरुण ने ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए हतेही गांव से घाटमपुर-गजनेर मार्ग तक 600 मीटर डामरीकरण लिंक रोड बनवाया था। वह सडक़ उस समय ग्रामीणों के लिए राहत साबित हुई थी, लेकिन तीन दशक बाद अब वही सडक़ खस्ताहाल हालत में है। जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी डामर और जलभराव ने इसे मुसीबत वाला रास्ता बना दिया है।

टेंडर पास फिर भी ठप पड़ी मरम्मत

ग्राम प्रधान एवं जिला अध्यक्ष प्रधान संघ, कानपुर रवि शंकर अग्निहोत्री ने बताया कि इस सडक़ की मरम्मत का टेंडर लगभग डेढ़ वर्ष पहले पास हो चुका है, लेकिन ठेकेदारों की लापरवाही और विभागीय उदासीनता के कारण काम अब तक शुरू नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में रहते हुए भी भाजपा समर्थक गांवों की अनदेखी हो रही है। लोग रोज़ाना इस टूटे रास्ते से होकर स्कूल, खेत और बाज़ार जाते हैं पर किसी अधिकारी या जनप्रतिनिधि को फिक्र नहीं।

मंदिरों की उपेक्षा से भी नाराज़ हैं ग्रामीण

ग्रामीणों का कहना है कि हतेही, अगापुर और महमदपुर क्षेत्र में कई ऐतिहासिक मंदिर हैं, लेकिन इनमें किसी को भी टीन शेड या सुंदरीकरण का अनुदान तक नहीं मिला।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार साधु-संतों के कल्याण के बड़े दावे करती है, पर जमीनी स्तर पर मंदिरों की स्थिति बदतर है। भ्रष्ट अधिकारी अपने हित साध रहे हैं, और जनता को सिर्फ चुनावी सपने दिखाए जाते हैं।

पुलिस की रेट लिस्ट वायरल होने के बाद एक्शन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। सोशल मीडिया पर ओवरलोड ट्रकों से अवैध वसूली करते पुलिसकर्मियों का वीडियो वायरल होने के बाद डीजीपी राजीव कृष्ण ने सख्त कार्रवाई करते हुए चित्रकूट, बांदा और कौशांबी जिलों के 11 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबित पुलिसकर्मियों में 1 निरीक्षक, 1 महिला उपनिरीक्षक, 4 पुरुष उपनिरीक्षक और 5 आरक्षी शामिल हैं। डीजीपी ने तीनों जिलों से इस मामले में विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की है।

डीजीपी मुख्यालय के अनुसार, चित्रकूट में 7 पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की गई है। इनमें भरतकूप थाने के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार, आरक्षी रणवीर सिंह, पहाड़ी थाने की एसओ अनुपमा तिवारी (उपनिरीक्षक), आरक्षी शुभम द्विवेदी, राजापुर थाने के एसओ पंकज तिवारी (उपनिरीक्षक), उपनिरीक्षक इमरान खान और आरक्षी अजय मिश्रा शामिल हैं।

चित्रकूट के एसपी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच एएसपी सत्यपाल सिंह को सौंपी गई है।

बांदा में बदौसा थाने के थानाध्यक्ष कुलदीप कुमार तिवारी (उपनिरीक्षक) और आरक्षी अनुराग यादव को निलंबित किया गया है। वहीं, कौशांबी में महेवाघाट थाने के एसओ प्रभुनाथ सिंह (उपनिरीक्षक) और आरक्षी शिवम सिंह पर गाज गिरी है। इस मामले की जांच सहायक पुलिस अधीक्षक मेविस टॉक को सौंपी गई है।

वायरल वीडियो के बाद ओवरलोड ट्रकों से वसूली की कथित दरें भी सामने आई हैं। बांदा के बदौसा थाने से

ओवरलोड ट्रक के लिए 7000 रुपये, चित्रकूट के भरतकूप थाने से गिट्टी ट्रक के लिए 2500 रुपये, बालू ट्रक के लिए 4000 रुपये, पहाड़ी थाने से 2500 रुपये, राजापुर थाने से 4000 रुपये और कौशांबी के महेवाघाट थाने से 3000 रुपये प्रति ट्रक वसूले जाने की बात उजागर हुई है।

डीजीपी ने सभी मातहतों को चेतावनी दी है कि भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले बलिया के नरही थाने में भी घूसखोरी के आरोप में कई पुलिसकर्मियों को निलंबित किया जा चुका है।

प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद महिलाओं को भी देगा ट्रेनिंग

» दुनिया भर में आतंकवादी संगठनों के बढ़ते खतरे पर रिपोर्ट

जैश की नई ऑन-लाइन पहल और वैश्विक रुझान को लेकर बढ़ी चिंताएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने महिलाओं की भर्ती और फंडिंग बढ़ाने के लक्ष्य से एक नई ऑनलाइन मुहिम शुरू करने की खबरें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह कोर्स नवंबर में शुरू होगा, रोज़ाना 40 मिनट की कक्षाओं के साथ और इसमें भाग लेने के लिए एक छोटी शुल्क राशि बताई जा रही है – घटनाक्रम को भारत और वैश्विक खुफिया-एजेंसियाँ गंभीरता से देख रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को समूह के विचारों के प्रति संवेदनशील करना और नई 'महिला शाखा' के लिए भर्ती–और–फंडिंग चैनल तैयार करना है। सरकारों और सुरक्षा संस्थानों का कहना है कि आतंकी संगठन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं — भर्ती, विचारधारात्मक प्रशिक्षण और वित्त जुटाने के लिए। (स्रोतों के अनुसार कार्यक्रम के संचालन में छ्व्द्गरूसे जुड़ी कुछ महिलाओं का नाम भी मीडिया में आया है)।

वैश्विक परिप्रेक्ष्य — आंकड़े और प्रवृत्तियाँ

वैश्विक रूप से हिंसा और मृत्यु के पैटर्न बदल रहे हैं- ग्लोबल टेररिज़्म इंडेक्स और संबंधित रिपोर्टों के अनुसार 2024–2025 में कुछ प्रमुख समूहों (जैसे– आईएस, अअक्क अल–शबाब) की सक्रियता और मौतों में पुनरुत्थान देखा गया; ढ्ढस् उसकी शाखाओं के माध्यम से कई देशों में सबसे घातक बना रहा। यह संकेत है कि भू–राजनीतिक परिवर्तनों और संघर्षों के बीच आतंकी गतिविधियाँ स्थानांतरित और विकसित हो रही हैं। FATF और कई सुरक्षा–विश्लेषण बताते हैं कि आतंकवादी संगठनों ने भुगतान–नेटवर्क, क्रिप्टो और ऑनलाइन मंचों के ज़रिये फंडिंग और प्रचार के रास्ते बदल लिए हैं — जिससे वित्तीय निगरानी और रोकथाम चुनौतिपूर्ण हो गई है।

क्षेत्रीय विविधता समझिए

अफ़गानिस्तान, अफ्रीकी सहेल क्षेत्र, पाकिस्तान–कश्मीर क्षेत्र, और कुछ समय से मध्य एशिया/यूरोप में भी संबंधित ख़तरे और घटनाएँ जारी हैं; अलग–अलग समूह स्थानीय–क्षेत्रीय कारणों से सक्रिय हैं।

विशेषज्ञों की चिंताएं पढ़िए

विश्लेषक कहते हैं कि ऑनलाइन–कोर्स जैसी पहलों का सबसे बड़ा रिस्क यह है कि वे जल्दी और सस्ते तरीके से विचारधारा फैलाती हैं, निष्पादन–योग्य प्रशिक्षण से अलग–थलग रहते हुए भी समेकित मानसिकता और वित्तीय समर्थन तैयार कर सकती हैं। इसलिए सुरक्षा एजेंसियाँ डिजिटल निगरानी, वित्तीय ट्रेसिंग और समुदाय–आधारित प्रतिरोध उपायों पर ज्यादा जोर दे रही हैं।

जैश–ए–मोहम्मद की कथित ऑनलाइन महिला–कक्षाएँ एक ताज़ा उदाहरण हैं कि कैसे प्रतिबंधित संगठन आधुनिक तकनीक और सामाजिक माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक़ यह पहल भर्ती और फंडिंग दोनों के उद्देश्य से है।

ग्लोबल रिपोर्टें दिखाती हैं कि आतंकवाद का चरित्र समायोज्य है — कुछ क्षेत्रों में हिंसा बढ़ी है और संगठन नए तरीक़े अपना रहे हैं, जिसका मुकाबला अंतरराष्ट्रीय समन्वय, वित्तीय निगरानी और समुदाय–स्तर पर प्रतिकार से ही संभव है।

प्रशांत महासागर में संदिग्ध ड्रग बोट पर कार्रवाई में दो की मौत

» अमेरिकी हमला की रक्षा मंत्री ने की पुष्टि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

वाशिंगटन/नई दिल्ली।

अमेरिकी रक्षा विभाग ने पुष्टि की है कि अमेरिकी बलों ने प्रशांत महासागर में एक संदिग्ध ड्रग बोट को निशाना बनाते हुए कार्रवाई की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस अभियान में अमेरिकी बलों को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचा है।हेगसेथ के अनुसार, यह नौका पिछले कई दिनों से अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की निगरानी में थी और उस पर मादक पदार्थों की बड़ी खेप ले जाने का संदेह था। माना जा रहा है कि यह नाव अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में सक्रिय ड्रग नेटवर्क से जुड़ी हुई थी।अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह कार्रवाई 2 सितंबर से अब तक संदिग्ध ड्रग बोट्स पर की गई आठवीं कार्रवाई है। हालांकि, प्रशांत क्षेत्र में इस तरह का यह पहला सीधा हमला माना जा रहा है।अमेरिका ने हाल के महीनों में ड्रग तस्करी और समुद्री सुरक्षा से जुड़े अभियानों को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि समुद्री मार्गों के जरिए हो रही मादक पदार्थों की तस्करी न केवल अमेरिकी सुरक्षा बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्थिरता के लिए भी गंभीर चुनौती बन चुकी है।

गौरव हत्याकांड: पुलिस के हाथ अब तक खाली, संदिग्धों से हो रही पूछताछ

» एसपी के निर्देश पर बनी तीन टीमों को नहीं मिली कामयाबी

» प्रेम प्रसंग और रंजिश दोनों एंगल पर पुलिस कर रही जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। दिवाली की रात गजनेर थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई गौरव अवस्थी हत्याकांड की गुत्थी एक सप्ताह बाद भी नहीं सुलझ सकी है। एसपी श्रद्धा नरेंद्र पांडे के निर्देश पर बनी तीन पुलिस टीमों के लगातार प्रयासों के बावजूद अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। थाना गजनेर पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ जरूर शुरू की है, परंतु अभी तक कातिलों की पहचान स्पष्ट नहीं हो सकी है।

» दिवाली मर्डर मिस्ट्री गहराई

स्वराज इंडिया
कानपुर आसपास
08
दिवाली की रात सनसनीखेज मर्डर

संदिग्धों से पूछताछ जारी, कोई सुराग नही लगां

थाना प्रभारी गजनेर ने बताया,मामले में कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। कई पहलुओं पर जांच की जा रही है, लेकिन अभी किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सका है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, प्रेम प्रसंग और रंजिश दोनों एंगल पर जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम द्वारा जुटाए गए साक्ष्य फिलहाल जांच प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।

परिवार अब भी सदमे में, गांव में पसरा सन्नाटा

गौरव की 30 नवंबर को शादी तय थी, लेकिन अब घर में मातम छाया है। मां बेबी देवी और नानी मुन्नी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोगों में पुलिस की धीमी कार्रवाई को लेकर आक्रोश और भय दोनों देखा जा रहा है। गौरव अवस्थी, जो रनिया स्थित शराब फैक्ट्री में सुपरवाइजर थे,

दिवाली की रात दोस्तों से मिलने निकले और सुबह सड? किनारे मृत पाए गए। हत्या के पीछे किसी करीबी की साजिश की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

पुलिस को मौके से दो खाली कारतूस बरामद हुए थे,लेकिन हथियार, हमलावर और मकसद तीनों अब भी रहस्य बने हुए हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर शुरुआती घंटों में कार्रवाई तेज होती,तो शायद कातिलों तक पहुंचना आसान होता।अब सवाल यह है दिवाली की रात बुझा गौरव का चिराग क्या इंसाफ की रोशनी देख पाएगा।

रात से लापता मजदूर का सुबह पेड़ से झूलता मिला शव

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर थाना क्षेत्र के इनायतपुर गांव में गुरुवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब गांव के बाहर प्राथमिक विद्यालय के पास एक मजदूर का शव आम के पेड़ से लटका मिला। सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी गई। मृतक की पहचान छेदी लाल (52 वर्ष) निवासी इनायतपुर के रूप में हुई है।

परिजनों के अनुसार वह बुधवार शाम घर से निकले थे, लेकिन रातभर वापस नहीं लौटे। सुबह ग्रामीणों ने उनका शव पेड़ से लटका देखा। मृतक के छोटे बेटे धीरज ने बताया कि उनकी मां का निधन 20 वर्ष पहले हो चुका है। पिता शराब के आदी थे और अक्सर नशे की हालत में तनावग्रस्त रहते थे। परिवार मजदूरी कर जीवनयापन करता था। घटना की जानकारी मिलते ही गजनेर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या प्रतीत होता है।

सोना-चांदी उल्टे पांव,ग्राहक खुश, कारोबारियों को लग रहा झटका, आगे और गिरावट का अनुमान

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। दीपावली के बाद सोने-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट आई है। आठ दिन में चांदी 34,000 प्रति किलो और पांच दिन में सोना 7,900 प्रति 10 ग्राम सस्ता हो गया है। मांग घटने और अंतर्राष्ट्रीय संकेतों को इसकी वजह बताया जा रहा है।कानपुर में आसमान पर जाने के बाद सोने-चांदी के दाम तेजी से नीचे आ रहे हैं। आठ दिन में चांदी के भाव में 34 हजार रुपये किलो तक की कमी आ चुकी है। पांच दिन में सोने के भाव में प्रति 10 ग्राम 7900 रुपये की कमी दर्ज हुई है। दोनों धातुओं के दामों में तेज गिरावट से निवेशकों और कारोबारियों को झटका लगा है, जबकि ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है। आगे भी गिरावट का अनुमान है।

14 अक्तूबर को चांदी का भाव प्रति किलो 1,86,000 रुपये था। अब भाव प्रति किलो 1,52,000 रुपये हो गया है। इसी तरह 17 अक्तूबर को सोने का भाव प्रति 10 ग्राम 1,33,900 रुपये था। अब भाव 1,26,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर चल रहा है। एमसीएक्स पर सोने का भाव प्रति 10 ग्राम 121,000 और चांदी का भाव 1,44,598 रुपये प्रति किलो के स्तर पर आ गया है।

सराफा ने तगड़ा स्टॉक किया था

20 सितंबर से सोना-चांदी के भावों में रफ्तार पकड़ना शुरू की थी और दिवाली आते-आते इनके भाव उच्च स्तर पर चले गए थे। भावों में इतनी तेजी के चलते सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स में नए निवेश पर अस्थायी रोक लगा दी गई थी। सराफा ने पुराना सोना-चांदी तक खरीदना बंद कर दिया था। तेजी के बीच निवेशकों और दिवाली को देखते हुए सराफा ने तगड़ा स्टॉक किया था।

जल्द शुरू होने वाली है सहालग

ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड स्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि कानपुर समेत देश में त्योहारी मांग खत्म हो गई है। इसके अलावा भारत-अमेरिका, चीन-अमेरिका के बीच टैरिफ संकट खत्म होने के संकेत मिल रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका में शटडाउन खत्म होने वाला है। इससे भी सोने-चांदी की मांग तेजी से घटी है। मांग घटने से भावों में एकदम से गिरावट आ गई है। इससे निवेशकों और सराफा को नुकसान भी हुआ है। जिस तरह से भाव कम हो रहे हैं। आगे और भी भाव कम होने का अनुमान है। भावों में कमी होने से ग्राहकों को लाभ मिल सकेगा। जल्द सहालग शुरू होने वाली है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

छठ पूजा से पहले साफ होगी बर्रा सचान नहर: रमेश अवस्थी सांसद

अधिकारियों को दो दिन में किया तलब

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। छठ पूजा से पहले बर्रा सचान नहर की बदहाल स्थिति देखकर सांसद रमेश अवस्थी का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। गुरुवार को मौके पर पहुंचे सांसद ने नहर में फैली गंदगी देखकर नगर निगम और सिंचाई विभाग के अधिकारियों को फोन पर जमकर फटकार लगाई। उन्होंने दो दिन के भीतर अधिकारियों को अपने कार्यालय में तलब करते हुए साफ चेतावनी दी कि अगर छठ से पहले नहर को पूजा योग्य नहीं बनाया गया, तो कड़ी कार्रवाई तय है।

सांसद अवस्थी ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों से बातचीत की और भरोसा दिलाया कि नहर की गंदगी का स्थायी समाधान जल्द निकाला जाएगा। उन्होंने सख्त लहजे में अधिकारियों से कहा किछठ पूजा से पहले घाट पूरी तरह तैयार होना चाहिए।

किसी भी तरह की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मोदी जी और योगी जी के स्वच्छता अभियान को बिगाड़ने वालों को सज़ा भुगतनी होगी।निरीक्षण के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष (दक्षिण) शिवराम सिंह, स्थानीय पार्षद, मंडल अध्यक्ष और अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। सांसद के इस सख्त तेवर से स्थानीय निवासियों में उम्मीद की नई किरण जगी है।

स्थानीय लोगों में उत्साह

बर्रा सचान नहर के आसपास रहने वाले लोगों ने सांसद की तत्परता की सराहना की। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि फ़सांसद जी ने जिस तरह से अधिकारियों को फटकार लगाई है, उससे हमें पूरा भरोसा है कि इस बार नहर जरूर साफ होगी और छठ पूजा पूरे श्रद्धा के साथ मनाई जाएगी।

छठ पर्व से पहले नहर की सफाई न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी अहम कदम साबित होगा।अब सबकी निगाहें दो दिन बाद होने वाली सांसद की बैठक पर टिकी हैं, जिसमें अधिकारियों से जवाब लेते हुए नहर की सफाई पर ठोस निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

दीपोत्सव के बाद गंगा घाटों पर गंदगी का पसरा अंबार

टूटी मूर्तियों- फूलों का ढेर, प्रशासन से सफाई की मांग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के ड्योढ़ी, नजफगढ़ और नागापुर गंगा घाटों पर दीपोत्सव के बाद खंडित मूर्तियों और फूल मालाओं का अंबार लगा है, जिससे चारों ओर गंदगी फैल गई है। दो दिन बाद छठ पूजा है, जिसे देखते हुए प्रशासन से तत्काल सफाई की मांग की गई है।

कानपुर में दीपोत्सव महापर्व की भव्यता के बाद गंगा घाटों पर फैली गंदगी ने श्रद्धा और स्वच्छता के बीच गहरी

खाई बना दी है। घाटों के किनारे हजारों की संख्या में खंडित और पुरानी मूर्तियां फूल मालाओं सहित फेंकी गई हैं, जो अब कुत्तों और बंदरों द्वारा इधर-उधर फैलाकर गंगा तट को कचरे के ढेर में तब्दील कर रही हैं। पॉलिथीन में भरे फूल सड़ने लगे हैं, जिससे दुर्गंध और संक्रमण का खतरा बढ़ गया है।

महाराजपुर थाना क्षेत्र के ड्योढ़ी घाट, नजफगढ़ घाट तथा नागापुर गंगा घाट किनारे खंडित मूर्तियों को फेंका गया है। एक ओर प्रशासन घाटों की सफाई और गंगा स्वच्छता के लिए जागरूकता अभियान चला रहा है। दूसरी ओर श्रद्धालु भूमि विसर्जन की परंपरा को दरकिनार कर मूर्तियों को खुले में घाटों पर छोड़ रहे हैं, जिससे मां गंगा की निर्मलता और आस्था दोनों को ठेस पहुंच रही है।

पर्यावरणीय संकट को जन्म दे रही है समस्या

घाटों पर बिखरी टूटी मूर्तियां न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत कर रही हैं,

बल्कि पर्यावरणीय संकट को भी जन्म दे रही हैं। स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से अपील की है कि मूर्तियों के सम्मानजनक विसर्जन के लिए विशेष व्यवस्था की जाए और दीपोत्सव

जैसे आयोजनों के बाद घाटों की सफाई को प्राथमिकता दी जाए ताकि मां गंगा की पवित्रता बनी रहे और श्रद्धा के साथ स्वच्छता का संतुलन भी कायम रह सके।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना

सियासी तकरार में

उलझ गया 'अटल पार्क'

अटल पार्क में 'डबल सुंदरीकरण' का खेल

» नगर निगम ने लगाया 56 लाख, अब विकास प्राधिकरण फिर से चमका रहा वही पार्क

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या का अटल पार्क इन दिनों सुंदरीकरण की राजनीति का 'सुपर मॉडल' बन गया है। यहां सरकारी विभागों की कार्यशैली पर एक ही सवाल गूंज रहा है क्या सुंदरता बढ़ाने के नाम पर सरकारी धन की दोहरी धुलाई हो रही है। बता दे कि साकेतपुरी कॉलोनी स्थित अटल पार्क का नगर निगम ने दस महीने पहले ही सुंदरीकरण कराया था। आरटीआई में निगम ने बताया कि इस काम पर 55 लाख 64 हजार खर्च हुए। पार्क के गेट पर लगा शिलापट गवाही देता है 25 दिसंबर 2024 को लोकार्पण हुआ। लेकिन अब वही पार्क अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) के हाथों में है, और वही 'सुंदरीकरण' फिर से शुरू हो गया है। एडीए ने जनवरी 2025 में उसी कॉलोनी के पार्कों के विकास का नया टेंडर जारी किया है।

पहले वाला सुंदर नहीं था क्या?'

यह सवाल अब शहर में चर्चा का विषय है। प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता आलोक सिंह का कहना है कि हम निगम से कराए गए कार्यों को छोड़कर बाकी काम करवा रहे हैं। लेकिन हकीकत यह है कि पार्क में पहले से पाथ-वे, सोलर ट्री, सजावटी लाइटें और लैंडस्केपिंग मौजूद हैं। यानी नया काम पुराने काम की रंगाई-पुताई जैसा लग रहा है।

33 पार्कों में मल्टी फैसिलिटी स्पोर्ट्स पार्क बनना था

पंडित दीनदयाल उपाध्याय योजना' के तहत 33 पार्कों में मल्टी फैसिलिटी स्पोर्ट्स पार्क बनाने का लक्ष्य था। टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट टर्फ, सेंसर बेस्ड स्मार्ट टॉयलेट और ब्रांडेड जिम की सुविधाएं देने का दावा किया गया था। स्वराज इंडिया की पड़ताल में एक भी ऐसा पार्क नहीं मिला जहाँ यह सुविधाएँ हों। कहीं सिर्फ झूले हैं, कहीं अधूरा जिम, और कहीं बोर्ड टेढ़ा पड़ा हुआ। गौरतलब हो कि अटल पार्क अब अटल नहीं रहा यह पार्क अटल जी के नाम पर है, पर काम करने वालों की नीयत में अटलता नहीं दिखती। जहाँ एक ओर नगर निगम ने सेवा ही पहचान का नारा

सपा के पूर्व मंत्री तेजनारायण पांडेय 'पवन पांडे' ने नगर निगम में हुए खर्च को लेकर बड़ा आरोप लगाया अटल पार्क समेत 33 पार्कों में करोड़ों का घोटाला हुआ है। ऑडिट रिपोर्ट में दो सौ करोड़ की अनियमितता दर्ज है।

दिया, वहीं दूसरी ओर विकास प्राधिकरण उसी पार्क में फिर से हाथ लगा रहा है। जनता अब पूछ रही है क्या यह सुंदरीकरण है या सरकारी धन

जवाब में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने कहा पूर्व मंत्री के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। हमने विकास किया, जबकि उनके शासनकाल में अयोध्या विकास से वंचित रही। महापौर का दावा है कि सभी आडिट आपत्तियों के जवाब तैयार हो चुके हैं और दो-तीन दिन में जनता के सामने रखे जाएंगे।

का पुनः-चक्रण? स्वराज इंडिया आगे भी पूछेगा अटल पार्क से निकली फाइलों से निकला धन आखिर किन जेबों में पहुंच रहा हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग में प्रमोशन से पहले छांटे जाएंगे दागी बीईओ

बेसिक शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार पर लगेगी लगाम

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग ने खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। प्रमोशन प्रक्रिया शुरू होने से पहले विभाग ने सभी जिलों से दागी बीईओ की पूरी कुंडली तलब की है। शासन का साफ निर्देश है कि जिन अधिकारियों पर भ्रष्टाचार, अनियमितता या अन्य जांचें लंबित हैं, उनका प्रमोशन रोका जाएगा।

निदेशालय ने सभी मंडलीय शिक्षाधिकारियों और बीएसए को पत्र भेजकर अपने जिले में तैनात बीईओ के खिलाफ चल रही जांचों की स्थिति रिपोर्ट मांगी है। इसमें यह भी पूछा गया है कि किन अधिकारियों पर कोई विभागीय या सतर्कता जांच चल रही है, या किन्हें पहले किसी मामले में दंडित किया गया है।

सूत्रों के मुताबिक, 286 बीईओ की सूची निदेशालय ने जिलों को भेजी है, जिनके प्रमोशन से पहले उनके सेवा अभिलेख (Service Book), जांच रिपोर्ट और सत्यापन दस्तावेजों की गहन पड़ताल की जा रही है।अधिकांश जिलों में वेतन अनियमितता, फर्जी उपस्थिति, शिक्षकों से धन उगाही और नियुक्ति में गड़बड़ी जैसे मामलों में कई बीईओ जांच के दायरे में हैं। अब विभाग ने साफ कर दिया है कि दागियों को पदोन्नति नहीं मिलेगी।बेसिक शिक्षा विभाग की यह पहल न सिर्फ प्रमोशन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाएगी, बल्कि लंबे समय से विभाग पर लगे भ्रष्टाचार के दाग मिटाने की दिशा में भी एक अहम कदम साबित होगी।

देश में बढ़ता वायु प्रदूषण: दिल्ली-एनसीआर की हवा फिर हुई 'ज़हरीली'

» मौसम विभाग ने उम्मीद जताई है कि आने वाले कुछ दिनों में हल्की बारिश और हवा की गति बढ़ने से प्रदूषण स्तर में कुछ सुधार हो सकता है

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नईदिल्ली।दिवाली के बाद राजधानी दिल्ली और एनसीआर की हवा एक बार फिर से ज़हरीली हो गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के अनुसार, गुरुवार सुबह 6 बजे तक दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 362 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार शाम तक दिल्ली का औसत एक्यूआई 351 था, जो अब और बढ़कर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। एम्स (342) और अक्षरधाम (350) के आसपास भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में दर्ज की गई है।

विशेषज्ञों का कहना है कि दिवाली के बाद छोड़े गए पटाखों का धुआं, वाहनों के धुएं और हवाओं के ठहराव ने मिलकर प्रदूषण की स्थिति को और बिगाड़ दिया है। हवा में मौजूद महीन कण (PM2.5 और PM10) अब मानक सीमा से कई गुना अधिक हो गए हैं।

हालांकि मौसम विभाग ने उम्मीद जताई है कि आने वाले कुछ दिनों में हल्की बारिश और हवा की गति बढ़ने से प्रदूषण स्तर में कुछ सुधार हो सकता है।

पर्यावरणविदों का कहना है कि अब समय आ गया है जब सरकार और नागरिक मिलकर स्वच्छ हवा के लिए ठोस कदम उठाएं — जैसे कि वाहन उपयोग घटाना, कचरा न जलाना और हरियाली बढ़ाना।

दिल्ली फिर सांसों पर भारी- जब तक नीति और

राजधानी के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ गया है

आरके पुरम-362
पटपड़गंज- 361
इंडिया गेट- 353
आनंद विहार-428 (गंभीर श्रेणी)

जिम्मेदारी साथ नहीं चलेगी, तब तक 'स्मॉग की यह दीवार' हर साल लौटती रहेगी।

बेसहारा गायों के नाम पर नेताओं और अफसरों ने गटक लिया गऊ-धन!

गो-घोटाले के गुमनाम गवाह

» अयोध्या के गोवंश आश्रय केंद्रों में करोड़ों का खेल, चारे से लेकर चेक तक लूटी गई रकम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।मर्यादा पुरुषोत्तम की नगरी में गौसेवा के नाम पर घोटाले की बड़ी खबर सामने आई है। स्थानीय निधि लेखा परीक्षा रिपोर्ट ने जो परतें खोलीं, उसने पूरे पशुपालन विभाग को शक के घेरे में ला दिया है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ) इंद्रदेव अपना पल्ला झाड़कर किनारा कर रहे हैं, पर रिपोर्ट की स्याही में जो दाग हैं, वे साफ नहीं हो पा रहे।

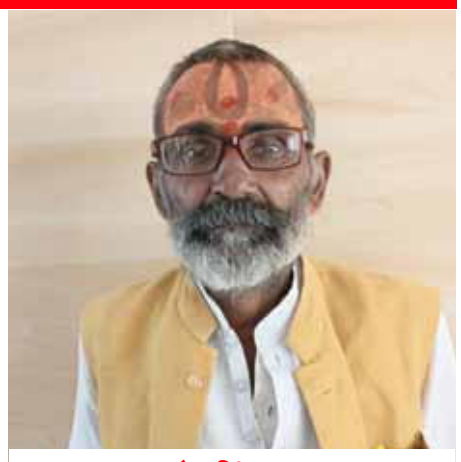

राजेश सिंह मानव

चारा खा गए अधिकारी 1.32 करोड़ रुपये का हिसाब गुम

वित्तीय वर्ष 2021-22 में मुख्यमंत्री निराश्रित बेसहारा सहभागिता योजना के तहत 1.32 करोड़ रुपये ऐसे वितरित हुए जैसे गोशालाओं में नहीं, किसी खुफिया ठिकाने में गायें पल रही हों। ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार 7 मई 2021 को 33.11 लाख रुपये के चेक में कोई विवरण नहीं, 7 फरवरी 2022 को 30.24 लाख रुपये का चेक बगैर ब्योरे के,19.17 लाख रुपये का भुगतान तो बिना चेक नंबर के ही उड़ गया। बाकी भुगतानों का भी कोई ठोस दस्तावेज नहीं मिला। बता दे कि सीवीओ कार्यालय की रोकड़ बही 2021-22 और 2023-24 दोनों वित्तीय वर्षों में अधूरी और संदिग्ध मिली। 17.30 लाख रुपये की टीडीएस कटौती गायब मतलब आयकर विभाग तक को चकमा दे दिया गया। भदार खुर्द (तारुन ब्लाक) और एहार (रुदौली) में 10.32 लाख रुपये की फर्जी गोवंश संख्या दिखाकर भुगतान। न्यूना पूरव और जाना बाजार केंद्रों में 9.71 लाख रुपये का भुगतान बिना बिल-बाउचर के। हरा चारा और पशु आहार में 2.15 लाख रुपये का खर्च बिना प्रमाणक।अलावलपुर केंद्र में 13.80 लाख रुपये के भूसे की तौल पर्चियां तक नहीं मिलीं। यानि गोमाता के नाम पर कागज़ की गायें पाल ली गईं और असली गायें सूखे भूसे पर छोड़ दी गईं!

ऑडिट की सुई सीवीओ पर अटकी

ऑडिट रिपोर्ट भले वित्तीय अनियमितताओं की बात करे, लेकिन इशारा साफ है मुख्य पशु चिकित्साधिकारी का दफ्तर ही इस पूरे खेल का धुरी केंद्र है। वहीं से चेक जारी, वहीं से रोकड़ गायब, वहीं से भुगतान अप्रमाणित।अब जब रिपोर्ट सार्वजनिक हुई, तो सीवीओ हमारी कोई भूमिका नहीं कहकर खुद को निर्दोष बताने में जुटे हैं। सरकारी फाइलों में गोमाता की सेवा के फोटो हैं, पर असलियत में भूखे पेट, बिन पानी, बिन दवा बेसहारा गोवंश सडकों और गोशालाओं में तड़प रहा है और दूसरी ओर उसी गोमाता के नाम पर अफसरशाही ने गोबर से सोना बना लिया।

घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की मांग

आदित्यनाथ गौ सेवा समिति के अध्यक्ष राजेश सिंह 'मानव' ने निराश्रित गोवंश चारा घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने कहा गोमाता के पेट से लूटी गई रकम अब जिम्मेदारों के गले की फांस बनेगी। अगर सरकार ने कार्रवाई नहीं की, तो हम सडक़ से लेकर सचिवालय तक आंदोलन करेंगे। राजेश सिंह 'मानव' ने चेताया गोसेवा के नाम पर घोटाला करने वालों को जेल नहीं, गोबर में गाड़ा जाएगा!

स्वराज इंडिया का सवाल

अगर सीवीओ की भूमिका नहीं, तो चेक किसने जारी किए?

- बिना तौल पर्ची के भूसा कैसे खरीदा गया?
- रोकड़ बही अपूर्ण क्यों रखी गई?
- आखिर गोवंश का हक किसकी जेब में गया?

अवैध संबंध के चक्कर में मां ने बच्ची को मार डाला

» छोटी दिवाली की रात हुई वारदात, पुलिस ने मां व उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। दीपों की रोशनी से जगमग रात जहां हर घर में खुशियां थीं, वहीं लखनीपुर के एक छोटे से घर में अंधेरे ने हमेशा के लिए डेरा जमा लिया। छोटी दीपावली की उस रात, एक मां ने अपनी दो महीने की बेटी का गला घोंट कर मार डाला।

पुलिस के मुताबिक बच्ची की हत्या करने की आरोपी पूजा का पति मुंबई में मजदूरी करता था। इसी दौरान गांव के सत्यनाम से उसके अवैध संबंध हो गए। पूजा को अपनी दो महीने की बच्ची बोझ लगने लगी थी। 19 अक्टूबर की शाम, दीपावली की तैयारी के बीच, पूजा ने अपनी मासूम बेटी को गला घोंट कर हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी स्पष्ट रहा कि बच्ची की गला घोंटकर हत्या की गई थी।

मवई पुलिस ने जब पूजा और सत्यनाम को गिरफ्तार किया, तो उनके चेहरों पर पछतावे की जगह खामोशी थी। पुलिस सूत्र बताते हैं कि पूजा इस बच्ची को अपने प्रेम संबंधों में रुकावट मानने लगी थी। वह अपने प्रेमी के साथ नई जिंदगी शुरू करना चाहती थी, लेकिन उस नई जिंदगी की शुरुआत एक नन्हीं जान की बलि से हुई। मवई थानाध्यक्ष सुरेश पटेल के अनुसार, दोनों आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं।

श्रीरामलला के दर्शन के समय में आज से हुआ परिवर्तन

» भक्तों के लिए आरती और भोग व्यवस्था की नई समयसारिणी लागू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या ।सर्दी शुरू होते ही श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन समय में एक बार फिर परिवर्तन किया गया है। यह नई व्यवस्था 23 अक्टूबर से प्रभावी होगी।

भक्त अब प्रात- 7 बजे से दर्शन कर सकेंगे, जबकि प्रवेश का अंतिम समय रात्रि 8-30 बजे निर्धारित किया गया है। दर्शनार्थी बिड़ला धर्मशाला के सामने से प्रवेश करेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल कुमार मिश्र ने बताया कि यह परिवर्तन भक्तों की सुविधा और मंदिर में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

उल्लेखनीय है कि पिछला बदलाव 3 अक्टूबर को नवरात्र के प्रथम दिन किया गया था, जब मंगला आरती और दर्शन अवधि में संशोधन लागू हुआ था।

भक्तों से अनुरोध है कि वे दर्शन हेतु नए समयानुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं ताकि रामलला के दिव्य दर्शन सुगमता से प्राप्त हो सकें।

ये है नवीन समय-सारिणी

मंगला आरती — प्रात: 4:30 बजे
श्रृंगार आरती — प्रात: 6:30 बजे
भोग आरती — दोपहर 12:00 बजे
शयन आरती — रात्रि 9:30 बजे

इस दौरान दोपहर 12:30 से 1:00 बजे तक रामलला के पट बंद रहेंगे। दोपहर 1 बजे से पुन- दर्शन प्रारंभ होंगे। रात्रि 9 बजे के बाद डी-वन द्वार से प्रवेश बंद रहेगा, और 9:15 बजे तक दर्शन को विश्राम दिया जाएगा।

फैसला: यूपी फायर सर्विस में जल्द बनेगी स्पेशलाइज्ड यूनिट

सीएम योगी ने की अग्निशमन एवं आपात सेवा के कार्यों की समीक्षा

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। सीएम योगी अपने सरकारी आवास पर अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। सीएम योगी ने कहा, प्रदेश में बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिक विस्तार और शहरीकरण की गति को देखते हुए अग्निशमन विभाग की संरचना को अधिक सशक्त, आधुनिक व जनसुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है। फायर सर्विस को केवल आग बुझाने तक सीमित न रखकर इसे आपदा प्रबन्धन, रेस्क्यू ऑपरेशन और आपात सेवाओं के समेकित स्वरूप में विकसित किया जाए।

उन्होंने विभागीय कैडर रिव्यू की आवश्यकता जताते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक रीजन में स्पेशलाइज्ड यूनिट गठित की जाए, जो केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल दुर्घटनाओं व सुपर हाईराइज बिल्डिंग जैसी परिस्थितियों से निपटने में सक्षम हो। मुख्यमंत्री ने फायर सर्विस को अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभाग में नए पदों के सृजन पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग की प्रशासनिक क्षमता और वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रत्येक जनपद में अकाउण्ट कैडर स्थापित किया जाए। साथ ही, राज्य अग्निशमन प्रशिक्षण महाविद्यालय में अतिरिक्त पद सृजित कर प्रशिक्षण व अनुसंधान की गुणवत्ता को और बेहतर बनाया जाए। मुख्यमंत्री के निर्देशों के उपरान्त विभाग में राजपत्रित संवर्ग के 98 व राजपत्रित संवर्ग के लगभग 922 नए पद सृजित होने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे जनपद, रीजनल और मुख्यालय स्तर पर फायर सर्विस की कार्यक्षमता और जनसेवा क्षमता को नई मजबूती मिलेगी।

» बोले- 100 किमी की दूरी पर फायर टेण्डर सहित एक छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक जिले में फायर एवं आपात सेवाओं की त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। एक्सप्रेस-वे पर बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक 100 किलोमीटर की दूरी पर फायर टेण्डर सहित एक छोटी फायर चौकी स्थापित की जाए, ताकि दुर्घटना की स्थिति में गोल्डन आवर के भीतर राहत व बचाव कार्य प्रारम्भ किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फायर सर्विस जनता के जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ विभाग है। इसकी संरचना ऐसी होनी चाहिए, जो हर परिस्थिति में त्वरित, कुशल और उत्तरदायी प्रतिक्रिया देने में सक्षम हो।

दोनों पक्षों की दलील के बाद लिया फैसला

माफिया अतीक के बेटे उमर को कोर्ट से झटका

उमेश पाल हत्याकांड में जमानत अर्जी खारिज

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के बेटे उमर अहमद को सेशन कोर्ट से झटका लगा है। उमेश पाल हत्याकांड मामले में कोर्ट ने उमर की जमानत अर्जी खारिज कर दी। उमर से वकील ने कोर्ट में दलील दी कि उसका उमेश पाल हत्याकांड से कोई लेना देना नहीं है। उसके ऊपर गलत तरीके से मुकदमा दर्ज किया गया है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद जमानत अर्जी खारिज कर दी।

24 फरवरी 2023 को प्रयागराज में हुए चर्चित उमेश पाल हत्याकांड में उमर अहमद को आरोपी बनाया गया है। उमर पर जेल से उमेश पाल हत्याकांड की साजिश रचने का आरोप है। 24 फरवरी 2023 को प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र के जयंतीपुर इलाके में उमेश पाल और उनके दो गनर की दिनदहाड़े हत्या हुई थी। उमर पर हत्याकांड की साजिश में शामिल होने का आरोप लगा है। खुद को निर्दोष बताते हुए उमर ने जिला न्यायालय से जमानत की मांग की थी।

उमर ने कहा था कि घटना के समय वह लखनऊ जेल में बंद था। हत्याकांड में उसकी कोई भूमिका नहीं है और वो निर्दोष है। हालांकि कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया। यह फैसला स्पेशल न्यायाधीश (एससी-एसटी) राम प्रताप सिंह राणा की कोर्ट ने मोहम्मद उमर की जमानत याचिका पर सुनाया।

वीडियो में कहा- बस इतनी सी थी जिंदगी

ससुराल पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर एक और युवक ने की आत्महत्या

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में ससुरालीजनों की प्रताड़ना से परेशान होकर युवक ने शादी के दो महीने बाद ही आत्महत्या कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से पहले उसने एक वीडियो बनाया। वीडियो में युवक ने कह रहा है कि मैं अपनी जिंदगी से तंग आ गया हूं। पत्नी और सास-ससुर की प्रताड़ना झेल नहीं पा रहा हूं। मेरी बस इतनी ही जिंदगी थी, मेरे घरवालों का ख्याल रखना।

मुजफ्फरनगर जिले के कस्बा चरथावल के मुहल्ला मुर्दापट्टी के रहने वाले 30 वर्षीय आरिफ का पहली पत्नी से छह साल पहले तलाक हो गया था। उनकी दो महीने पहले ही 17 अगस्त को मुहल्ला सरवट की रहने वाली फरहीन से उसकी दूसरी शादी हुई थी।

परिजनों के अनुसार, पत्नी और ससुरालीजनों का किसी बात को लेकर आरिफ से विवाद चल रहा था। मंगलवार शाम को आरिफ ने जहरीला पदार्थ खा लिया। तबीयत बिगड़ने पर उसको बेगराजपुर स्थित मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया है। मृतक आरिफ के पिता सरताज का आरोप है कि बहू चाहती थी कि बेटा आरिफ माता-पिता को छोड़कर उसके मायके में रहे। बेटा आरिफ ऐसा नहीं चाहता था। जब बेटा आरिफ इनकार करता था तो विवाद होता था। आरिफ मुजफ्फरनगर की एक फैक्ट्री में काम करता था। पिता के अनुसार, मंगलवार शाम को ड्यूटी से आने के बाद टहलने को कहकर बेटा आरिफ घर से निकला था। घरवालों ने खाने के लिए फोन किया तो कहा कि थोड़ी देर में आते हैं और फोन काट दिया था। इस पर हम घरवाले उसको खोजने निकल पड़े। घर से 500 मीटर दूर खेत में बेटा आरिफ पड़ा हुआ मिला। वह बेहोश था। बेगराजपुर मेडिकल कॉलेज लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने बताया कि उसने जहर खाया है। इसके बाद हम लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

वहीं, मृतक आरिफ के फोन से एक वीडियो मिला है, जिसमें उसने पत्नी और सास-ससुर पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। वीडियो में मृतक कह रहा है कि रोज टॉर्चर बर्दाश्त नहीं होता। मेरे मां-बाप का ख्याल रखना मेरे भाइयों। बस इतनी सी थी जिंदगी थी, मुझे माफ कर दो।

लखनऊ रैली के बाद जबरदस्त एक्शन में मायावती

बसपा नेता शमशुद्दीन राईन को किया पार्टी से बर्खास्त

लखनऊ-कानपुर मंडल के प्रभारी को गुटबाजी की मिली सजा

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। बीएसपी प्रमुख मायावती अपनी लखनऊ रैली के बाद जबरदस्त एक्शन में नजर आ रही हैं। गुरुवार को मायावती ने पार्टी के दिग्गज नेताओं में शामिल समसुद्दीन राईन को बीएसपी से निष्कासित कर दिया। समसुद्दीन के ऊपर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने और बीएसपी के अंदर गुटबादी करने का आरोप लगाया गया है। बीएसपी के यूपी अध्यक्ष विश्वनाथ पाल की तरफ से जारी किए गए निष्कासन पत्र में कहा गया है कि समसुद्दीन राईन को कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन जब उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियां नहीं रुकीं तो उन्हें बीएसपी से बाहर करने का फैसला लिया गया है।

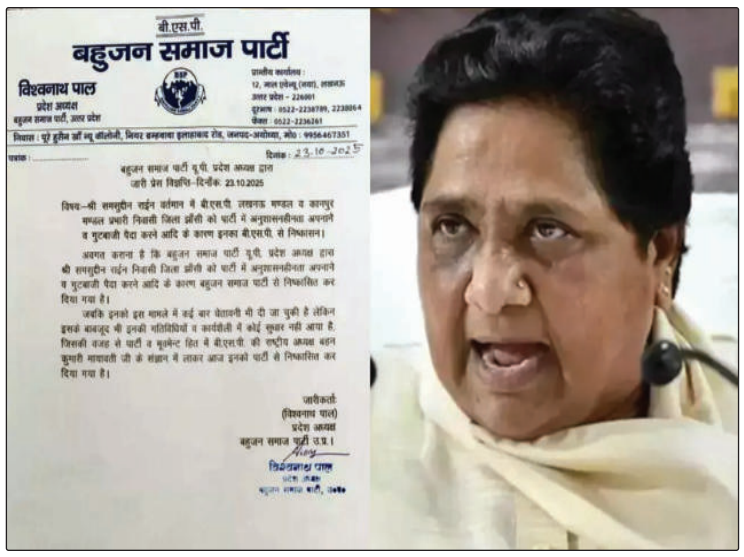

बी.एस.पी.
बहुजन समाज पार्टी

विश्वनाथ पाल
प्रदेश अध्यक्ष
बहुजन समाज पार्टी, उत्तर प्रदेश

दिनांक : 23.10.2025

बहुजन समाज पार्टी यू.पी. प्रदेश अध्यक्ष द्वारा
जारी प्रेस विज्ञप्ति-दिनांक 23.10.2025

विषय–श्री समसुद्दीन राईन वर्तमान में बी.एस.पी. लखनऊ मण्डल व कानपुर मण्डल प्रभारी निवासी जिला झाँसी को पार्टी में अनुशासनहीनता अपनाने व गुटबाजी पैदा करने आदि के कारण इनका बी.एस.पी. से निष्कासन।

अवगत कराना है कि बहुजन समाज पार्टी यू.पी. प्रदेश अध्यक्ष द्वारा श्री समसुद्दीन राईन निवासी जिला झाँसी को पार्टी में अनुशासनहीनता अपनाने व गुटबाजी पैदा करने आदि के कारण बहुजन समाज पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

जबकि इनको इस मामले में कई बार चेतावनी भी दी जा चुकी है लेकिन इनके बावजूद भी इनकी गतिविधियों व कार्यशैली में कोई सुधार नहीं आया है, जिसकी वजह से पार्टी व मूवमेन्ट हित में बी.एस.पी. की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन कुमारी मायावती जी के संज्ञान में लाकर आज इनको पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है।

जारीकर्ता
(विश्वनाथ पाल)
प्रदेश अध्यक्ष
बहुजन समाज पार्टी उ.प्र.।

समसुद्दीन राईन की गिनती बीएसपी के कद्दावर मुस्लिम नेताओं में होती थी। झांसी के रहने वाले समसुद्दीन को इसी साल अप्रैल के महीने में बुंदेलखंड क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया था। बुंदेलखंड में मुस्लिम समाज को बीएसपी से जोड़ने की कोशिश के तहत समसुद्दीन को यह जिम्मेदारी दी गई थी। इसके बाद उनका कद बढ़ाते हुए उन्हें लखनऊ और बरेली मंडल की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। हालांकि, इसके साथ ही उनके ऊपर बीएसपी में गुटबाजी करने के आरोप भी लगते रहे। गुरुवार को उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया।

इससे दो दिन पहले ही बीएसपी मुखिया मायावती ने 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत बड़े फेरबदल किए थे। फेरबदल के तहत पूर्व राज्यसभा सांसद मुनकाद अली और पूर्व लोकसभा सांसद गिरीश चंद जाटव को मेरठ मंडल के मुख्य मंडल प्रभारी पद से हटा दिया गया। उनकी जगह पर जाफर अली और विक्रम सिंह जाटव को यह जिम्मेदारी दी गई। जाफर अली अमरोहा और विक्रम सिंह जाटव आगरा के रहने वाले हैं। शमसुद्दीन राईन को भी इसी बदलाव में बरेली मंडल का मुख्य प्रभारी बनाया गया था। हालांकि, बरेली मंडल प्रभारी बनने के दो दिन बाद हुई उनकी पार्टी से विदाई हो गई। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि शमशुद्दीन राईन लंबे समय से पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच गुटबाजी को बढ़ावा दे रहे थे और संगठन की नीतियों के विपरीत बयानबाजी कर रहे थे। उन्हें इस संबंध में कई बार मौखिक और लिखित चेतावनी दी गई, मगर उन्होंने सुधार नहीं किया।